



महाचलगुहकथानवल्लवाधिवर्द॥ सवतक्षगनयूनयालघ
रूपाम गयापननुश्वशवासदिहि न यति थवि क म ल क लि सं व गि र्मा ल
॥ कुसुमउदकमकुतासीनक मिलकुलिं स नैस म या या य वर्द म ना ज व
वलदादायुनसलकुदस व ल म नि य ति ता धु तं ॥ ॥ न मा मि श्ली च कु श
मल गु ल वा श्री द ध लि य श स न गु ल य ल न क म ल प सा ड आ नू त ल वा धि वर्द

॥ २ ॥ नमो भगवते ॥ कासादहिनि उदयि घलनी १ माप्ता विनायि महा
सख जायिया ॥ ॥ मय नमय न विरु विनासा १ काय वाक विरु १ कक
लिया ॥ ॥ यक धा वयि आरु नयिया १ आवयिल वा निर्ग धा धा १ ॥
॥ या जामि वगुल पाय युता १ द १ नयि वा वरु स १ स माधि ॥ ॥ २ ॥
न नलिन ॥ साद सखा य न कल नी न किय सिल वा स नाधि ना ल ना ग १ उर ना १

वस्य कनान कृदिं च विनु कृदिथ ॥ ॥ ज्ञानादिय क मरु सुदना माश्रित्य नुग
नव सकलस्य न ॥ ॥ सा व क मरु यानं सिद्ध न हि सा तयं मा यावपि च
लं अथ न ना वशिं लि च न वध गु न सं ॥ ॥ क नीला दहि हृ स्व यं ॥ ॥ वद नि
जया व विमृष्टि न न न वृद्धं वृद्धा विता व न या विप लि न न ना सं ग ना न न द्रं द्रं
द्रं ॥ ॥ ॥ नाग मात श ॥ नि रं रं अ व ध ह त रं या यो शि रं रं ग म न व शी गी

ययि स ॥ ॥ ज्ञान द्वादि द वा रु नि ज्ञानं द्वादि द वा य ह्निना च यि द
लक्ष म न सं द र् ॥ ॥ य क सि न दि र ल नी रं क ल ह ल रं १ स र्वा पि ज द्वा
यो श यि सं ना व ॥ ॥ जी श दि या ल जाल यि चं रु पि शी न ज न का की
न श यि वा र् ॥ ॥ आ लिका पि द यि वा दं ध ल रं १ व ड आ गि नि र्म ग ल गि
न ॥ ॥ य यि स ॥ अ वि नि ज द्वा य सं रं श श कि र्द नि क म ल कृ पि वा र् ॥

॥ १ ॥ **॥ १ ॥** कायि न वसा वाजि लवि लना ॥ अनू गन सर्व द अणि
हो ॥ अननीना ॥ ॥ अनू रम वजि ल काल क ले या ॥ १ ॥ दि ल म दि सि दि ला दि
पु सा द ॥ ॥ गं ग म ज म ना उ दू यि नी त ॥ १ ॥ सा खि ल जी व स सि ला दि यै सा
ग ग ना दू डाल ॥ ॥ १ ॥ दि ल ल रं डाल दि अ ना ग ॥ १ ॥ ग ग न म ख ल मा ष्ट य द
न दि द्या ल ॥ ॥ य व न यं वा ल उ कू के व धा यि व लि न कि न न दाल क सि द्धा ॥

॥ १ ॥ **॥ १ ॥** कायि न वसा वाजि लवि लना ॥ अनू गन सर्व द अणि
हो ॥ अननीना ॥ ॥ अनू रम वजि ल काल क ले या ॥ १ ॥ दि ल म दि सि दि ला दि
पु सा द ॥ ॥ गं ग म ज म ना उ दू यि नी त ॥ १ ॥ सा खि ल जी व स सि ला दि यै सा
ग ग ना दू डाल ॥ ॥ १ ॥ दि ल ल रं डाल दि अ ना ग ॥ १ ॥ ग ग न म ख ल मा ष्ट य द
न दि द्या ल ॥ ॥ य व न यं वा ल उ कू के व धा यि व लि न कि न न दाल क सि द्धा ॥

२०३१३१

सामयिजिजिनरदा स्या ॥ ॥ कंधा धात्री इंदोया लविरवयस र्वमका २
समुदगलंजिजिनप्रकृषनका ॥ ॥ ववनदयिरुदियादूधधिलवीया २
कलियवजानलदरुदिरुदाद ॥ ॥ **गगलवि** ॥ राखजखगमखवज
विरुलधयादयावलितुमिल २ कनागा न मुदुलसमगुनवउ, भानुदियकम
ले ॥ ॥ धिरुलवनुलकदयाकमलधियवकल २ मिधिसिद्धिकर्मविद्यवि

नाभिमहापोलमहामूदासिधिल ॥ ॥ आदिदूधदियलधुधलमैलुजाविना
सयिषदालवकननीयनिलवधुसजिजिनीमनमरुजाययलिनरुल ॥ ॥
प्रसादिलदरुदिरुलसिदूधयउउगनाउधालन २ सयलवदुजिनरयकक
नयियानिजैरुवोदययनिलमल ॥ ॥ गुपूउयदमसिमयीवगनमाकुबै
लविरुविरुंगल २ सनगुलववनधिलगनधिलयाहनयिसूनवजननाल ॥

११८९

ॐ ॥ राग रेवति ॥ चंद गमसा न सि रस व झा वास कि ना गम गजिन मया २
 ग हाल समसान असाक व झा घुनि न मया न रुक ना गम ॥ ॥ दुज मज न
 रुसर न वक्रि वाय या रुसुदि ग विगं दी वलि क वि श अ स म सान रु नि र्ति वि र
 मल ना वयि सुद रु न द ॥ ॥ फ क नि धा या वं दि न म या हा ला क ना क का
 न क ना गा १ क लं क रेल वा व लि न म या सु ल सि र ना गम रु न क व रु ॥ ॥
 य यस्प ज्ञान दया सिं धो २ यस्प ज्ञान दया सिं धो

अनु टला सा र्ज खया ल ना गम यु र्व ड रं म या व न म दि ना १ ल सि वा ना क लं रु व
 रु घु नि न म या म दा य मा ॥ ॥ ग हा य स म सान यु का नि व रु ना गम ने व
 ल द या १ कि रि कि रि ना वा अ रु न व रु कु लि क ना गम व र ख न म या ॥ ॥
 दा द स रु जा दा द स रु व ना व रु व रु व द ना दा द स न य ना १ रु न यि क रू पा ला र व रु
 स ल ना का रि ना नि लि यू या य यि व द ना ॥ ॐ ॥ राग रं धालि ॥ ध मा गम लि रं

श्रुतं नैवैधर्मसयालविसृता ॥

॥ कर्तव्यं न हनूव कर्तव्यं न हनूव ॥

धर्मकाङ्क्षानि सदसु न प्र ॥

॥ इत्यत्र न हनूव मतव्यसूत्रं ॥

वननाथः कसुमवललाया ॥

॥ इत्यत्र न हनूव मतव्यसूत्रं ॥

चक्रमयं नैव विनयी न हनूव नलीसिलमा ॥

न गगनकनादि वक्ष्यं नो नाग ॥

॥ पुरसास हनूव मतव्यसूत्रं ॥

॥ नूनं मूर्धन्यं नूनं जन्मदा ह्नुं कानना वयि

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

लनसमदनिज्ञा नाकुपसमाकुमोला ॥ ॥ जयन्तु जवलज नगमूनीनखः
 जयासफलधालि १ जगन्नाथ जगन्नाथालिन मलाकाधनाया ॥ ॥ जववि
 निदिन वामकेशानुधालवदननिनिला वाना १ केकन नाकुसरुवरुयकनज
 खिसनविनदना ॥ ॥ वद्वदलि रुमघमासदयदननसुविना १ द
 पुनियदिन धनसुप्रकिनविगदना ॥ ॥ विवीधि नलजगन

[illegible]

॥ ॥ प्रह्लादसंपन्नं यं श्रीं त्रिं नो धीं नो आति कालि युदा काना अति सुदरा ॥ ॥
 दस द्याव उक्ता वा नमामि श्रीं चक्र संख याया ॥ ॥ सत गुल वल नभिल
 ध्यायात् न सयिगिन श्री कलित ॥ ॥ का नयनिल म ना दखं सद्य मर्तु लज्जा ला
 धिग ॥ ॥ ॥ नागनादि ॥ ॥ का नायि र्नाथ या वा जा न्म निल कनका ॥ ॥ घन कयि थ
 लामि व शायि क न चक्रिया यिन या या ॥ ॥ मलय र्ज क दू न वरु यि ति ति मान

२ को गोपि न २२

दिन वशायि ॥ ॥ नदिर नूखा जन ग म य नायि शायि न वरु यि ॥ ॥ दा
 ल कालि न न पुन यायि ल दू दू न वरु न यायि ॥ ॥ ॥ उरु मा के नु लि सि द्वा
 सक यल या वे र्नु यायि ॥ ॥ मलय र्ज न सायि नदिर नूखा जन सायि ॥ ॥ ॥ वरु
 नरु न क र्ज न सु धा सु धन म नयि र्नि र्म ल र्ज ग वं डा वयि नदिर नूखा वा व नमू
 नायि ॥ ॥ ॥ नाग र्ज न म ॥ ॥ आलि न वशा न ल प्र वि स हि क चि न दा वयी

आलि न वशा न म २